

ऑस्टिन का सम्प्रभुता सिद्धान्त

प्रदीप कुमार

जॉन ऑस्टिन इंग्लैंड का विद्वानशास्त्री था। इन्होंने अपनी पुस्तक 'विद्वानशास्त्र पर व्याख्यान (Lectures on Jurisprudence)' में सम्प्रभुता के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। ऑस्टिन हॉब्स और बेंथम के विचारों से प्रभावित था तथा बेंथम के समान ही ऑस्टिन का उद्देश्य भी कानून और परम्परा के बीच भेद करना और परम्परा पर कानून की श्रेष्ठता स्थापित करना था। ऑस्टिन का कानून संबंधी विचार, 'उच्चतर वाश निम्नतर का दिया गया आदेश ही कानून होता है'। इसी विचार के आधार पर ऑस्टिन ने सम्प्रभुता की धारणा का प्रतिपादन किया जो निम्न है, "यदि कोई निश्चित उच्च स्तरीय व्यक्ति जो एक-किसी उच्च स्तरीय व्यक्ति की आज्ञापालन का अन्वयस्त नहीं है, किसी समाज के अधिकांश भाग से अपने आदेशों का पालन कराता है, जो उस समाज में वह उच्च स्तरीय व्यक्ति प्रभुत्व शक्ति सम्पन्न होता है तथा वह समाज उस उच्च स्तरीय व्यक्ति सहित एक राजनीतिक और स्वतंत्र समाज होता है।"

ऑस्टिन के सम्प्रभुता की विशेषता निम्न है:-

1. प्रत्येक स्वतंत्रता राजनीतिक समाज अर्थात् राज्य में आवश्यक रूप से कोई व्यक्ति या व्यक्ति समूह सम्प्रभु होता है। प्रत्येक राजनीतिक समाज में प्रभुत्व शक्ति की प्रकृति अनिवार्य है जिस प्रकार पदार्थ के किसी पिण्ड में आकर्षण केन्द्र का होना अनिवार्य होता है।
2. सम्प्रभु किसी मानव समूह के रूप में ही सकता है, किन्तु यह आवश्यक रूप से निश्चित होना चाहिए। सम्प्रभुता 'सामान्य इच्छा', 'प्राकृतिक कानून', 'दैवी इच्छा', 'अनमृत या मतदान जैसे आवाजात्मक प्रतीकों से निहित नहीं हो सकती है। यह तो एक ऐसा निश्चित अनुष्ठान या सबूत ही निश्चित स्तरीय होनी चाहिए जिस पर स्वयं कोई कानूनी प्रभुत्व न हो।

(3) इन निश्चयात्मक मानव-प्रेषक की शक्ति असीमित और अपरिमित (absolute and unlimited) होती है। कोई उच्चतर अधिकारी उससे अपनी आज्ञाओं का पालन नहीं कर सकता।

(4) निश्चयात्मक मानव-प्रेषक के प्रति आज्ञाकारिता आदत का विषय होती है, भद्रा-कदा की बात नहीं।

(5) आज्ञाकारिता स्पष्ट, निरंतर और अपरिहार्य होनी चाहिए।
आल्टिम का विचार है कि निश्चित प्रभु के प्रति

(6) प्रभुत्व शक्ति का आदेश कारगर है और इस आदेश की अवहेलना करने वाला दण्ड का भागी होगा।

(7) सर्वोच्च प्रभुता की शक्ति अखंडित होती है। यह सब ही ईकाई है और व्यक्तिगत अथवा संघों में इसका विभाजन नहीं हो सकता।